नियंत्रण-विहीन शस्त्रों पर बहस जारी है

इस सप्ताह राष्ट्र संघ के पारंपरिक शस्त्रों पर सम्मेलन (सीसीडब्लू) में एक बार फिर जानलेवा रोबोट्स पर चर्चा हो रही है। राष्ट्र संघ इस मामले में तकनीकी व कानूनी मुद्दों की सुनवाई करने जा रहा है। माना जा रहा है कि इन चर्चाओं में से जानलेवा स्व-नियंत्रित शस्त्रों पर किसी संधि का प्रारूप उभरेगा।

स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के पीटर असारो जो अंतर्राष्ट्रीय रोबोट-शस्त्र नियंत्रण समिति के सदस्य हैं, ने बताया कि आज इस बात पर आम सहमति उभरती दिख रही है कि यह अस्वीकार्य है कि रोबोट बगैर किसी इन्सानी निरीक्षण के लोगों की जान लें। सम्मेलन से पहले ही जापान और क्रोएशिया ने इस मामले में अपने मत ज़ोरदार तरीके से व्यक्त किए हैं। जापान ने कहा है कि वह ऐसा कोई रोबोट नहीं बनाने जा रहा है जिसके संचालन में मानव शामिल न हो और जो हत्या करने की क्षमता रखता हो।

यह सही है कि अधिकांश देश इस तरह के स्व-नियंत्रित शस्त्रों के खिलाफ हैं मगर समस्या इन्हें कानूनी रूप से परिभाषित करने की है। यह तो सभी मानते हैं कि ऐसे किसी भी हथियार पर इन्सान का अर्थपूर्ण नियंत्रण होना चाहिए मगर विवाद का मुद्दा शायद यह रहेगा कि 'अर्थपूर्ण मानवीय नियंत्रण' किसे कहें। सम्मेलन में इस बात पर भी विचार होगा कि ये नए स्वायत्त शस्त्र अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संधियों के समक्ष कैसी चुनौती प्रस्तुत करते हैं।

असारो का अपना मत है कि किसी भी शस्त्र पर मानव का नियंत्रण होना चाहिए - चाहे कार्रवाई शुरू करने के समय या एक बार शुरू हो जाने के बाद कार्रवाई को रोकने के समय निर्णय इन्सान के हाथों में होना चाहिए। इसका प्रमुख कारण ह्यूमन राइट्स वॉच नामक संगठन ने अपनी रिपोर्ट में व्यक्त किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्णतः स्वायत्त (यानी पूरी तरह मानव नियंत्रण से मुक्त) शस्त्रों के मामले में होने वाली मौतों के लिए किसी की भी कानूनी जवाबदेही तय करना असंभव हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, "कई सारी कानूनी बाधाओं के चलते ऐसे हथियारों से जुड़े इन्सानी किरदार - संचालक, कमांडर्स, प्रोग्रामर्स और निर्माता - इनके उपयोग या उत्पादन के परिणामों की ज़िम्मेदारी से बच निकलेंगे।" उम्मीद की जानी चाहिए कि पहले से ही अमानवीय युद्धों को पूरी तरह अमानवीय बनाने की क्षमता रखने वाले इन शस्त्रों के बारे में कोई अंतर्राष्ट्रीय आम सहमति उभरे और हमें इन हथियारों का सामना न करना पड़े। ***(स्रोत फीचर्स)***